हिंदी विभाग, मरिगाँव महाविद्यालय (स्वतंत्र)

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

DEPARTMENT OF HINDI, MORIGAON COLLEGE (A)

FYUGP SYLLABUS

मरिगाँव महाविद्यालय (स्वतंत्र) नई शिक्षा नीति-2020 पाठ्यक्रम

प्रथम छमाही

कोर्स-कोड: HIN-CORE-(MJ/MN)-MC-0100104
कोर्स का नाम : हिन्दी सम्प्रेषण
कोर्स-लेवल: **100-199**

पूर्व-योग्यता : हिन्दी-महित **10**वीं कक्षा उत्तीर्ण

कुल अंक : 100
बाह्य परीक्षण : 60
आंतरिक परीक्षण: 40

सैद्धान्तिक क्रेडिट : **4**
व्यावहारिक क्रेडिट : **0**

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :
प्रत्यक्ष कक्षाएँ: **60**
अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : **0**

कोर्स-उपलब्धि :
सम्वन्धित कोर्स के अध्ययन से हिन्दी के विद्यार्थी निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे :

1. सम्प्रेषण की अवधारणा, प्रकार, उपयोगिता, महत्व और भाषा के साथ उसके अंर्तसंबंध को रेखांकित कर पायेंगे ।

2. लिखित सम्प्रेषण के अन्तर्गत अनौपचारिक पत्र-लेखन, सम्पादक को पत्र, निबन्ध-लेखन, संवाद-लेखन एवं मुहावरे, लोकोक्तियाँ, सारांश-लेखन आदि के सम्बन्ध में पूर्व-ज्ञान का स्मरण कर पायेंगे ।

3. पठन- श्रवण हेतु निर्धारित लिखित सामग्री का पाठ कर उच्चारण की शुद्धता सुनिश्चित कर पायेगे।

4. हिन्दी ध्वनियों की औच्चारणिक विशेषताओं के सैद्धांतिक ज्ञान को मौखिक और लिखित सम्प्रेषण के व्यावहारिक अनुप्रयोग में ला पायेंगे ।

5. हिन्दी भाषा की अखिल भारतीय आवश्यकता के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न औपचारिक और अनौपचारिक सन्दर्भों में अपनी हिन्दी सम्प्रेषण-क्षमता को विकसित कर पायेंगे।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ (आंतरिक परीक्षण)
1	1	सम्प्रेषण - अवधारणा, प्रकार, उपयोगिता, महत्वः भाषा एवं सम्प्रेषण; हिन्दी ध्वनियों की औच्चारणिक विशेषताएँ	15	25 (15+10)
2	1	मौखिक सम्प्रेषण अभिवादनः अपना परिचय-प्रदानः दूसरे की परिचय-प्राप्तिः आत्मीयजनों एवं मित्र-मंडली के माथ वार्तालापः अपरिचित जनों के साथ बातचीत; सामग्रियों के क्रय-विक्रय, यातायात परिवहन, कार्यालय, बैंक-डाकघर आदि में सम्बद्ध जनों में विचार-विनिमय/वार्तालाप; साक्षात्कार का सामना कैसे करे- जैसे मौखिक सम्प्रेषण के विविध प्रसंग	15	25 (15+10)
3	1	लिखित सम्प्रेषण अनौपचारिक/पारिवारिक पत्र-लेखन, आवेदन-पत्र-लेखन, सम्पादक के नाम पर पत्र-लेखन, निबन्ध-लेखन, अनुच्छेद-लेखन, संवाद-लेखन	15	25 (15+10)
4	1	(क) पठन-श्रवण (केवल आंतरिक परीक्षण के लिए) मातृभूमि (मैथिलीशरण गुप्त), पुष्प की अभिलाषा (माखनलाल चतुर्वेदी) , झाँसी की रानी (सुभद्रा कुमारी चौहान), चाँद और कवि (रामधारी सिंह दिनकर), कफ़न (कहानी), नाखून क्यों बढ़ते हैं (निबन्ध) (ख) मुहावरे, लोकोक्तियाँ, पल्लवन, संक्षेपण, अपठित गद्यांश और प्रश्नोत्तर	15	25 (15+10)

द्रष्टव्य : आंतरिक परीक्षण के अंतर्गत इकाई 4 (क) से 10 अंक के लिए मौखिकी रहेगी जिसके तहत निर्धारित लिखित सामग्री के पठन, बातचीत, समूह-चर्चा आदि की व्यवस्था होगी। शेष 30 अंक के लिए सत्रीय परीक्षा, गृहकार्य आदि की व्यवस्था रहेगी।

निर्धारित एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. राष्ट्रवाणी- प्रो॰ वासुदेव सिंह (सम्पा०), संजय बुक सेंटर, वाराणसी।

2. कृति कथाएँ - डॉ० शुकदेव सिंह (सम्पा०), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

3. नाखून क्यों बढ़ते हैं - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

4. आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना- डॉ० वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।

5. मानक व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना- श्यामजी गोकुल वर्मा, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।

6. सम्प्रेषण कला- अरुण चतुर्वेदी, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

7. हिन्दी भाषा सम्प्रेषण और संचार अनिरुद्ध कुमार सुधांशु एवं महांथी प्रसाद यादव, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

8. सम्प्रेषण कला - डॉ बलवीर कुंदरा एवं महेन्द्र प्रताप सिंह , हंस प्रकाशन, नई दिल्ली।

9. सम्प्रेषण : चिन्तन और दक्षता -डॉ० मंजु मुकुल, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली।

मरिगाँव महाविद्यालय (स्वतंत्र) नई शिक्षा नीति-2020 पाठ्यक्रम

प्रथम छमाही

कोर्स-कोड: SEC-HIN-MC-0100103
कोर्स का नाम : बोलचाल हिंदी
कोर्स-लेवल : **100-199**
पूर्व-योग्यता : हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा उत्तीर्ण

कुल अंक : 75
बाह्य परीक्षण : 30
आंतरिक परीक्षण: 20
व्यवहारिक परीक्षण: 25

सैद्धान्तिक क्रेडिट : 2
व्यावहारिक क्रेडिट : 1

आवश्यक कक्षाओं की संख्या :
प्रत्यक्ष कक्षाएँ: 45
अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : **0**

कोर्स-उपलब्धि :

सम्बन्धित कोर्स के अध्ययन में हिन्दी के विद्यार्थी निम्नलिखित कार्य करने में सक्षम होंगे :

1. खड़ीबोली हिन्दी के बोलचाल के रूप से भली-भाँति परिचित हो पायेंगे।

2. वर्धित आत्मविश्वास एवं अभिव्यक्ति और सम्प्रेषण की योग्यता की प्राप्ति द्वारा कौशल-सम्बद्ध रोजगार के अवसरों से जुड़ पायेंगे।

3. बोलचाल की हिन्दी की अवधारणा, स्वरूप और उपयोगिता के साथ-साथ हिन्दी के स्वरों-व्यंजनों की उच्चारण-विधियों को स्पष्ट कर पायेंगे।

4. हिन्दी की आधारभूत शब्द-सम्पदा का समुचित ज्ञान प्राप्त कर व्यावहारिक संदर्भों में उसका प्रयोग कर पायेंगे।
5. दैनन्दिन जीवन के सभी संदर्भों में मौखिक स्तर पर सफलतापूर्वक हिन्दी का प्रयोग कर बोलचाल की क्षमता में प्रवीणता को विकसित कर पायेंगे।

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	परीक्षण+ (आंतरिक परीक्षण)
1	1	स्पोकन हिन्दी : अवधारणा, स्वरूप, उपयोगिता; हिन्दी की स्वर-व्यंजन ध्वनियाँ एवं उनकी उच्चारण-विधियाँ (ह्रस्व और दीर्घ स्वरों के उच्चारण में अन्तर ; शब्द के आद्य, मध्य और अंत्य 'अ' के उच्चारण की विशेषताएँ ; च, छ, ज, झ के उच्चारण की विशेषताएँ; दंत्य और मूर्धन्य ध्वनियों के उच्चारण में अन्तर; श, ष. म ध्वनियों के उच्चारण में अन्तर; 'र' ध्वनि के उच्चारण की विविध स्थितियाँ: 'क्ष' और 'च्छ' के उच्चारण की विशेषताएँ : र, ड और ह्र के उच्चारण में अन्तर- इन बातों पर विशेष ध्यान)	15	25 (10+7+8)
2	1	हिन्दी की आधारभूत शब्द-सम्पदा शरीर के अंग, मनुष्य एवं मानवीय संबंध, पोशाक, गहने, खाद्य-पदार्थ, साग-सब्जी, फल-फूल, पशु-पक्षी, पेड-पौधे, घरेलू चीजें, काम करने के औज़ार, सवारी, बीमारी दवा, खेल-कूद, तिथियों, दिनों के नाम, महीनों के नाम, संख्या-गिनती, संगीत-वाद्य, अनाज, रंग, व्यवसाय, आकाश, क्रियाएँ इत्यादि सूचक संज्ञा शब्दः हिन्दी के सर्वनाम, विशेषण और अव्यय शब्द	15	25 (10+6+9)
3	1	अभिवादन; अपना परिचय-प्रदान; दूसरे की परिचय-प्राप्तिः आत्मीय-जनों एवं मित्रों के साथ वार्तालाप, अपरिचित-जनों के साथ बातचीत; शिक्षण-संस्थान, बाज़ार, यातायात-परिवहन, बैंक डाकघर, विभिन्न कार्यालय, खेल-कूद, मनोरंजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, अस्पताल, संचार-माध्यम इत्यादि के संदर्भों में सम्बद्ध जनों के साथ विविध प्रकार (अर्थ और संरचना की दृष्टि से) के वाक्यों के जरिए विचारों का आदान-प्रदान; मुहावरेदार भाषा में बातचीत	15	25 (10+7+8)

द्रष्टव्य : व्यावहारिक परीक्षण के अन्तर्गत प्रश्नोत्तर, किसी विषय पर भाषण, दो जनों का वार्तालाप, समूह में चर्चा आदि की व्यवस्था रहेगी। विभागीय प्राध्यापकगण, महाविद्यालय के अध्यक्ष/शिक्षण संस्थान के प्रमुख अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि के समक्ष व्यावहारिक परीक्षण एवं मूल्यांकन कार्य सम्पन्न होगा।

अभ्यास पुस्तकें (सिर्फ पढ़ने के लिए) :

1. बात-चीत - असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी।

2. जानने की बातें - केशव सागर, राजपाल एण्ड संज, दिल्ली।

3. पाँच एकांकी- असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, गुवाहाटी।

4. सप्तसरोज - मुंशी प्रेमचन्द, सरस्वती प्रेस, इलाहाबाद।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. शुद्ध हिन्दी - डॉ हरदेव बाहरी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2. आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना -डॉ वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।

3. मानक व्यवहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना- श्यामजी गोकुल वर्मा, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।

4. असमिया हिन्दी लर्निंग कोर्स-रेपिडेक्स पब्लिकेशन।

5. शुद्ध हिन्दी कैसे सीखे-राजेन्द्र प्रसाद सिन्हा, भारती भवन, पटना।

6. Complete Hindi Beginner to Intermediate Course: Learn to read, write, Speak, and understand a new language with Teach Yourself - Rupert Snell, John Murray Learning.

7. Spoken Hindi from Scratch - Atharwa Madbhavi, Notion Press Publisher.

8. Word Book 4 in 1 (Learn English, Hindi, Assamese, and Bengali) - G.B.D.'s Editorial Board. Good Books Distributors Publishers, Kolkata.